NBT
नवभारत टाइम्स
www.delhi.nbt.in । नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 19 जनवरी 2021

कई पैरंट्स से अभी तक नहीं मिल पाई है सहमति

पहले दिन हाजिरी रही बेहद कम, कई स्कूल नहीं किए गए शुरू

Katyayani.Upreti@timesgroup.com

10 महीने बाद दिल्ली के स्कूलों में मुस्कुराते हुए स्टूडेंट्स पहुंचे। स्कूलों ने फूलों, गुब्बारों, रंगबिरंगे पोस्टर्स और सैनिटाइजर के साथ 10वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स को वेलकम किया। हालांकि, पहले दिन ज्यादातर स्कूलों में अटेंडेंस काफी कम रही। दूसरी ओर, कई स्कूल ऑनलाइन प्री बोर्ड एग्जाम और कोविड-19 को देखते हुए तैयारी पूरी नहीं होने की वजह से नहीं खुले। फरवरी के पहले हफ्ते तक सभी स्कूलों के खुलने की उम्मीद है।

पिछले साल मार्च से बंद सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के दरवाजे सोमवार को खुले। कोविड गाइडलाइंस फॉलो करते हुए क्लास 10 और 12 की ऑफलाइन पढ़ाई शुरू हुई। कई स्कूलों में प्रैक्टिकल भी शुरू हुए। डीपीएस, मथुरा रोड में कुछ ही स्टूडेंट्स अभी ऑफलाइन क्लासेज के लिए तैयार हैं। 300 स्टूडेंट्स में से 45 स्टूडेंट्स के लिए पैरंट्स से सहमति मिली है। पहले दिन करीबन 20 स्टूडेंट्स स्कूल पहुंचे। मगर प्रैक्टिकल क्लासेज शुरू होते ही संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

रोहिणी के माउंट आबू स्कूल में पहले दिन 'वेलकम बैक' पोस्टर के साथ स्टूडेंट्स का प्रिंसिपल और टीचर्स ने स्वागत किया। स्कूल की प्रिंसिपल ज्योति अरोड़ा ने बताया, क्लास 10 के 40% स्टूडेंट्स और क्लास 12 के 70% स्टूडेंट्स स्कूल पहुंचे। पहले दिन की पॉजिटिविटी को देखते हुए उम्मीद है कि स्टूडेंट्स अपने साथियों से भी आने को कहेंगे और अटेंडेंस रोज बढ़ती जाएगी। मयूर विहार फेज-3 में विद्या बाल भवन सीनियर सेकंडरी में क्लस 12 के 67 स्टूडेंट्स के लिए पैरंट्स से सहमति मिली, मगर पहले दिन सिर्फ तीन बच्चे की स्कूल पहुंचे। स्कूल के प्रिंसिपल सतवीर शर्मा ने बताया, कोराना को देखते हुए हमने स्कूल को सैनिटाइज किया है, गाइर्स को भी ट्रेनिंग दी है, बच्चों की सेफ्टी का हर इंतजाम किया गया है। उम्मीद है कि धीरे-धीरे पैरंट्स का भरोसा बढ़ेगा और स्कूल में स्टूडेंट्स भी बढ़ेंगे। प्रैक्टिकल क्लासेज भी जल्द शुरू होंगी तो स्टूडेंट्स भी आएंगे। हम एक क्लास/लैब में 12 स्टूडेंट्स ही बैठाएंगे।

वहीं, रोहिणी के पीतमपुरा के एम एम पब्लिक स्कूल ने सोमवार को पैरंट्स से सहमित के लिए लेटर लिए। स्कूल की प्रिंसिपल रुमा पाठक ने बताया, हमें क्लास 12 से साइंस के 50% स्टूडेंट्स से सहमति मिली हैं। वहीं, कॉमर्स और ह्यूमैनिटीज के 100% स्टूडेंट्स आने के लिए तैयार हैं। हालांकि, क्लास 10 में 50% पैरंट्स ही इसके लिए तैयार हैं। इसलिए स्कूल खोलने में दो दिन और इंतजार करेंगे और पैरंट्स को भरोसे में लिया जाएगा। वहीं, माउंट कारमल स्कूल सिर्फ प्रैक्टिकल के लिए खोला गया और ग्रुप में स्टूडेंट्स बुलाए गए। कई स्कूल 20 से 22 के बीच खुलेंगे।

वहीं, कई स्कूल अभी नहीं खुल रहे हैं, क्योंकि प्री बोर्ड एग्जाम चल रहे हैं या अभी पैरंट्स से उन्हें लिखित सहमति नहीं मिली है। शिक्षा निदेशालय की गाइडलाइंस के हिसाब से पैरंट्स की लिखित सहमति पर ही स्टूडेंट्स स्कूल जाएंगे और अटेंडेंस सिर्फ रिकॉर्ड के लिए ली जाएगी। साउथ दिल्ली के इंडियन स्कूल भी नहीं खुला है। स्कूल की प्रिंसिपल तान्या जोशी ने बताया कि हम अभी पैरंट्स की सहमति का इंतजार कर रहे हैं।

धीरे-धीरे बढ़ेगा कॉन्फिडेंस

- कई स्कूलों में अभी ऑनलाइन प्री बोर्ड के एग्जाम चल रहे हैं, इसके बाद खुलेंगे स्कूल
- स्कूलों के अनुसार फरवरी के पहले हफ्ते तक सभी स्कूलों के खुलने की उम्मीद है

'वेलकम बैक टु स्कूल' के बैनर कई स्कूलों में सजे नजर आ रहे थे